भारत सरकार/Government of India

परमाणु ऊर्जा विभाग/Department of Atomic Energy

भारी पानी बोर्ड/Heavy Water Board

वि.एस. भवन/V.S.Bhavan

अणुशक्तिनगर/Anushaktinagar

मुंबई/Mumbai - 400 094

हिंदी दिवस – 2025 का आयोजन - रिपोर्ट

परमाणु ऊर्जा विभाग की अणुशक्तिनगर स्थित छः इकाइयों अर्थात परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद, निर्माण, सेवा एवं संपदा प्रबंध निदेशालय, क्रय एवं भंडार निदेशालय, भारी पानी बोर्ड, विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड तथा नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड की संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के तत्वावधान में दिनांक 25 सितम्बर, 2025 (गुरुवार) को हिंदी दिवस समारोह 2025 एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर श्री एस. सत्यकुमार अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, भापाबो; श्री ए.के. झा, क्षेत्रीय निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय; श्री एच.आर. पिंपरकर, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड;श्री के. महापात्रा, निदेशक, निसेसंप्रनि; श्री प्रदीप मुखर्जी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, ब्रिट; श्री डी.के. शुक्ला, अध्यक्ष, पऊनिप; एवं श्री एस. ए. मेश्राम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, पऊनिप उपस्थित थे । मंचासीन कार्यालय प्रधानों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राजभाषा), भापाबो एवं सदस्य सचिव, संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति ने मंचासीन सभी अतिथिगण एवं सभागृह

में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों का स्वागत करते हुए इस अवसर पर होनेवाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग एवं सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग से प्राप्त संदेश का वाचन श्रीमती अनुराधा दोडके , संयुक्त निदेशक(राभा), नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड द्वारा किया गया।

मंचासीन कार्यालय प्रधानों ने अपनी-अपनी इकाई में हिंदी में किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए राजभाषा के रूप में हिंदी के महत्त्व पर अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में इस तरह के कार्यक्रम को आयोजित किए जाने के महत्त्व को बताते हुए उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से उनके द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को और अधिक बढ़ाने का अनुरोध किया।

मेजबानी व्याख्यान देते हुए भारी पानी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी **श्री एस. सत्यकुमार** ने हिंदी में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने परमाणु ऊर्जा विभाग को राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु राजभाषा विभाग द्वारा "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" (प्रथम) प्राप्त करने पर खुशी व्यक्त की। अपने व्यक्तव्य में बताया कि हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक भी है। हिंदी के संवैधानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक सरकारी कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए हिंदी में काम करनेवालों को प्रोत्साहित करने की बात कही क्योंकि राजभाषा हिन्दी का प्रचार प्रसार सभी के सहयोग से ही संभव हो सकता है।

श्री प्रदीप मुखर्जी,अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी,ब्रिट ने ब्रिट की हिंदी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन, लेखा, वैज्ञानिक तथा तकनीकि क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ ब्रिट के वेबसाइट पर भी हिंदी व्यापक प्रयोग का ध्यान रखा जा रहा है।

श्री ए.के. झा, क्षेत्रीय निदेशक, क्रभनि ने अपने व्याख्यान में सरल हिंदी के प्रयोग पर जोर दिया तथा कहा कि कार्यालय में प्रयोग की भाषा क्लिष्ट नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सहज और सरल हिंदी का प्रयोग ही हमारा प्रयास होना चाहिए

ताकि समझने में आसानी हो ।

श्री डी.के. शुक्ला, अध्यक्ष, पऊनिप ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में कई भाषाएँ हैं लेकिन संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व कुछ ज्यादा ही है । उन्होंने हिंदी की सहज संप्रेषणीयता पर बल देते हुए कहा कि कोई भी भाषा बड़ी या छोटी नहीं होती, हमें हर एक भाषा का सम्मान करना हैं । उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रयोग को न केवल संवैधानिक बाध्यता के कारण नहीं बल्कि स्वैच्छा एवं आत्मीयता के साथ करने पर जोर दिया।

श्री के. महापात्रा, निदेशक, निसेसंप्रनि ने विभाग के कीर्ति पुरस्कार (प्रथम) प्राप्त करने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 'संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति के सदस्य कार्यालयों को भी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार के लिए अपने उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करते हुए यथासंभव प्रयास करना चाहिए ।

श्री एच.आर. पिंपरकर, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में कई भाषाएँ हैं लेकिन संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व कुछ ज्यादा ही है । उन्होंने हिंदी की सहज संप्रेषणीयता पर बल देते हुए कहा कि हमें अपने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में ज़िम्मेदारी के साथ कार्यरत रहने की आवश्यकता है तथा राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रयासरत रहना है। उक्त कार्यक्रम का संचालन श्री भास्करानंद झा, उप निदेशक (राजभाषा),भापाबो ने किया ।

इस अवसर पर मंचासीन अधिकारियों के करकमलों से संयुक्त हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए । पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन श्री आशुतोष दुबे, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, पऊनिप ने किया ।

"हिंदी की मिठास, लोक नृत्यों का उजास" विषय पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिंदी में अन्य भारतीय भाषाओं के समावेश की पहल के रूप में विभिन्न राज्य के लोकनृत्यों की प्रस्तुति की गई, जिसमे नुपुर डांस अकादमी, कुर्ला के

कलाकारों को आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम के पश्चात नुपुर डांस अकदमी के सभी छात्र-छात्राओं एवं उनकी प्रध्यापिका श्रीमती निशा गिलबर्ट को उनकी अनोखी एवं अविस्मरणीय लोक नृत्य प्रस्तुति हेतु स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

हिंदी दिवस समारोह में आमंत्रित किए जाने और कलाकारों के उत्साहवर्धन करने हेतु श्रीमती निशा गिलबर्ट, प्रधानाचार्य, नुपुर डांस अकदमी ने संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा हिंदी दिवस के सफल आयोजन पर हार्दिक बधाई भी दी।

श्रीमती विद्याश्री, सहायक निदेशक (राभा), ब्रिट ने स्मृति चिह्न वितरण कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री दिवाकर सिंह, उप निदेशक (राजभाषा), क्रभनि ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया । उन्होंने सदस्य कार्यालयों के सभी कार्यालय प्रधान, उपस्थित अधिकारी/कर्मचरीगण को धन्यवाद दिया। श्रीमती अनुराधा दोडके, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नाभिकीय पुनःचक्रण बोर्ड को उनके मार्गदर्शन हेतु विशेष रूप से आभार प्रस्तुत किया तथा नुपुर डांस अकदमी की विशेष प्रस्तुति की भी सराहना की।

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।

****